

प्रेषक,

श्री अजय सिंह नबियाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

उपनिदेशक,
राजकीय मुद्रणालय,
रूडकी, (हरिद्वार)।

औद्योगिक विकास विभाग

देहरादून : दिनांक: 30 अप्रैल-2004

विषय: शिक्षा विभाग की पाठ्य पुस्तकों की छपाई/मुद्रण के संबंध में वित्तीय सहायता।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक: 1125/बजट, दिनांक: 05.04.2004 के सन्दर्भ में शिक्षा विभाग की कक्षा-1 से कक्षा-8 तक की पाठ्य पुस्तकों की छपाई/मुद्रण कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05 के अन्तर्गत मुद्रणालय की अति आवश्यक कय की जाने वाली सामग्री के कय हेतु लेखानुदान अवधि में बजट व्यवस्था पर्याप्त नहीं है और उक्त पुस्तकों के मुद्रण का कार्य माह-जून के अन्दर समयबद्ध रूप से कराया जाना आवश्यक एवं अपरिहार्य है। अतः मुद्रण कार्य हेतु मद संख्या-31 सामग्री एवं सम्पूर्ति में राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि रुपये 5,16,67,000.00 (रुपये पाँच करोड़ सोलह लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु अग्रिम के रूप में आहरित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

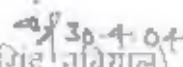
2- उपरोक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध एवं शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि उक्त धनराशि संबंधित प्रयोजन हेतु सुसंगत मद में समायोजित की जायेगी। उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शारानादेशों/आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाय कि धनराशि का उपयोग उसी मद में ही किया जाय जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। यदि व्यय के उपरांत कोई धनराशि अवशेष रहती है तो नियमानुसार समर्पित किया जाय।

3- व्यय करते समय टेन्डर विषयक शासन के समस्त नियमों का अनुपालन किया जायगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के उपरांत उसकी सूचना एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को दिनांक: 31.03.2005 तक प्रस्तुत कर दिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

4- व्यय उन्ही मदों पर किया जायेगा जिनके लिये स्वीकृत किया जा रहा है।

5- उक्त व्यय प्रथमतः 8000-आकस्मिकता निधि-रा0आ0नि0-लेखा-201-सामंकिता निधि का विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या-23 के लेखाशीर्षक, 2058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण, 00-आयोजनेत्तर, 001-निर्देशन तथा प्रशासन, 03-राजकीय मुद्रणालय, रुड़की का अधिष्ठान-00, 31-सामग्री एवं सम्पूर्ति के मद के नामे डाला जायेगा।

भवदीय


(अजय सिंह नवियाल)
अपर सचिव।

रा0आ0नि0 संख्या: 36/वि0अनु0-3/2004, तददिनांकित।

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

भवदीय

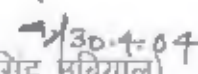
(टी0एन0 सिंह)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 636/सात/07-रा0मुद्र0/2004, तददिनांकित :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- कोषाधिकारी, रुड़की।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
- 3- वित्त अनुभाग-3
- 4- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(अजय सिंह नवियाल)
अपर सचिव।